**|| सरस्वती वंदना ||**

दैंण है जाए माँ सरस्वती माँ सरस्वती दैंण है जाए।
दूध सी अन्वार तेरि, हंस की सवारी मैय्या हंस की सवारी।
तू हमरी ज्ञानदात्री, हम त्यारा पुजारी मैय्या हम त्यारा पुजारी।
बुद्धि दिए मति दिए, माँ सरस्वती दैण दैंण जाए।

तेरि कृपा की चाह में छ्यूँ, सच्चाई की राह में छ्यूँ सुण ले माँ पुकार।
जाति धर्म छोड़ि-छाड़ि, नक विचार छोड़ि-छाड़ि , भल दिए विचार।
ध्यान धरिए, भल करिए, माँ सरस्वती दैंण है जाए।
श्वेत हंस, श्वेत कमल, श्वेत माला मोती।
एक हाथ में वीण छाजि रै, एक हाथ में पोथी।
झोली भरिए, पार करिए, माँ सरस्वती दैंण है जाए।

मन को अन्ध्यार मिटाए, ज्ञान को दीपक जलाए, ज्ञान को दीपक।
तेरि करनूँ मैं विनती मेरि धरिए लाज मैय्या, मेरि धरिए लाज ।
ज्ञान दी दिए, विवेक दी दिए, मां सरस्वती दैंण है जाए।

**नोट :** इस सरस्वती वंदना के लिरिक्स कुमाऊंनी भाषा में हैं तथा इसके रचयिता शिक्षक श्री सत्यम जोशी जी हैं।
वीडियो देखने के लिए इस लिंक पर जाएँ : **https://youtu.be/lUK3vxX_82g**